Publication:	Amar Ujala
Edition:	Chandigarh
Date:	29 Sep, 2018
Page No:	07

कड़ाके की ठंड और नए रूट्स करेंगे ड्राइवर्स का रोमांच दोगुना

15 डिग्री के न्यूनतम तापमान में होगी असली परीक्षा, हरप्रीत बावा, डॉ. धीरेंद्र, सारह कश्यप ले रहे हैं हिस्सा

संजीव पंगोत्रा

चंडीगढ़। नए रूट और कंपकंपाती ठंड के बीच इस बार रेड द हिमालय रैली में जीत काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसे पार करने के लिए तैयार हैं सिटी ब्यूटीफुल के मोटर स्पोर्ट्स के खिलाड़ी। हरप्रीत बावा, डॉ. धीरेंद्र और एकमात्र महिला मोटर बाइकर सारह कश्यप भी इसमें शामिल हैं। यह तीनों रेड द हिमालय रैली 2018 में शिकस्त कर रहे हैं।

हरप्रीत बावा एक्सट्रीम वर्ग में जिप्सी में, डॉ. धीरेंद्र कुमार कार वर्ग और सारह कश्यप मोटर बाइक वर्ग में शिरकत करेंगी। यह रैली लेह से 9 अक्तूबर को शुरू होगी। लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई से होती हुई रैली कई कठिन रास्तों से होती हुई कारगिल से होती हुए वापिस लेह पर जाकर 13 अक्तूबर को खत्म होगी।

रैली के लिए सिटी के प्रतिभागी जमकर अभ्यास करने में जुटे हुए हैं। वह अपनी गाड़ियों की रोजाना जांच करवा रहे हैं। रैली शुरू होने से पहले हरप्रीत बावा और डॉ. धीरेंद्र कुमार ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में बताया कि रेड द हिमालय रैली में रेसिंग कार, जिप्सी, बाइक वर्ग में देश के विभिन्न शहरों से बेहतरीन ड्राइवर्स हिस्सा ले रहे हैं। लगभग 2750 किलोमीटर का सफर तय कर रैली के असली विजेता बना जा सकता है।

नेविगेटर की भूमिका अहम

डॉ. धीरेंद्र कुमार जोकि वर्ष 2012 में रेड द हिमालय रैली के विजेता रहे हैं। इस बार कार वर्ग में हिस्सा ले रहे है। रैली में इनके को-ड्राइवर हनी नरूला होंगे। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान एक नेविगेटर की काफी अहम भूमिका रहती है। वह ड्राइवर की सीट के बगल में बैठकर रैली का रूट मैप अपने पास रखता है और समय समय पर ड्राइवस को रैली में आने वाले खतरों से आगाह करता रहता है।

नए रूट से गुजरेंगे...

हरप्रीत बावा ने बताया कि अधिकतर प्रतिभागी हर रूट से वाकिफ थे। इसलिए आयोजकों ने कई साल बाद बाद रूट बदले हैं। इस लिए हर रैली में गाड़ी को नए तरीके से तैयार करना पड़ता हैं। इसमें एक लाख से अधिक खर्चा रहता है।

रेड द हिमालय रैली में हिस्सा लेने वाली महिला बाइक्र सारह कश्यप।

Scanned by CamScanner